भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2252

12 दिसम्बर, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

आयुष कैंसर विज्ञान केंद्र

2252. डॉ. गुम्मा तनुजा रानी:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार देश में कैंसर रोगियों के लिए सहायक चिकित्सा के रूप में आयुर्वेद, सिद्ध और यूनानी दवाओं के उपयोग पर नैदानिक और सहयोगात्मक अनुसंधान का समर्थन कर रही है;

(ख) यदि हां, तो दक्षिण भारत, विशेषकर आंध्र प्रदेश में चल रही अथवा प्रस्तावित ऐसी परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का पुरानी और जीवन शैली से संबंधित बीमारियों के लिए साक्ष्य-आधारित पारंपरिक उपचार विकल्पों को बढ़ावा देने के लिए तिरुपति में एक एकीकृत आयुष कैंसर विज्ञान केन्द्र स्थापित करने का विचार है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क): जी हां।

(ख): दक्षिणी भारत में ऐसी चल रही या प्रस्तावित परियोजनाओं का विवरण संलग्नक पर दिया गया है।

(ग): ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है, हालांकि, केंद्रीय सिद्ध अनुसंधान परिषद (सीसीआरएस) के तहत सिद्ध नैदानिक अनुसंधान इकाई, तिरुपति पुरानी और जीवन शैली से संबंधित बीमारियों के लिए साक्ष्य-आधारित सिद्ध उपचार प्रदान करती है।

(घ): प्रश्न नहीं उठता।

****

संलग्नक

आयुष चिकित्सा पद्धति	परियोजना
आयुर्वेद	1. अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, गोवा (आयुष मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त संस्थान), स्वास्थ्य सेवा निदेशालय (गोवा सरकार) और कैंसर में उपचार अनुसंधान और शिक्षा के लिए उन्नत केंद्र (टाटा मेमोरियल सेंटर) के बीच 10 वें आयुर्वेद दिवस - 23 सितंबर, 2025 को अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, गोवा में उपचार, अनुसंधान और शिक्षा सहित विभिन्न स्तरों पर सहयोगात्मक व्यवस्था और एकीकृत कैंसर देखभाल हेतु उनके उपयोग के लिए एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन (एमओयू) दर्ज किया गया है। 2. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नागपुर में कैंसर देखभाल में आयुष-आईसीएमआर एडवांस्ड सेंटर फॉर इंटीग्रेटिव हेल्थ रिसर्च (एआई-एसीआईएचआर) की स्थापना के लिए केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा आयुष-भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) सहयोग के तहत एक संयुक्त पहल की गई है। इसके तहत, कैंसर देखभाल पर दो परियोजनाएं "मौखिक पूर्व-घातक घावों और मौखिक कैंसर के उपचार में आयुर्वेदिक संयोजनों और प्राकृतिक यौगिकों की खोज और आधुनिक चिकित्सा के साथ एकीकरण: एक पायलट अध्ययन" और "पारंपरिक बायोमेडिसिन के लिए ऐड-ऑन के रूप में शास्त्रीय आयुर्वेदिक उपचार की प्रभावशीलता: हेड-नेक कैंसर (एचएनसी) रोगियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार निर्धारित करने के लिए एकीकृत दृष्टिकोण" शुरू की गई हैं। 3. आयुर्स्वास्थ्य योजना के उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) घटक के तहत रोगी परिणामों में सुधार के लिए साक्ष्य आधारित आयुष चिकित्सा के साथ आधुनिक चिकित्सा को जोड़ने वाली एकीकृत कैंसर देखभाल के लिए निम्नलिखित 02 परियोजनाओं का समर्थन किया जाता है: क) आर्य वैद्यशाला, कोट्टक्कल परियोजना जिसका शीर्षक *"कैंसर अनुसंधान में आर्य वैद्य साला, कोटक्कल, केरल में सीईओ की स्थापना" है।* ख) टाटा मेमोरियल सेंटर, मुंबई परियोजना का शीर्षक *"कैंसर देखभाल के लिए आयुष चिकित्सा की खोज और विकास के लिए उत्कृष्टता केंद्र" है।* 4. आयुर्ज्ञान योजना के अंतर्गत आयुष में अनुसंधान और नवाचार के तहत, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राउरकेला, ओडिशा को *"कैंसर-रोधी प्रभाव में अंतर्निहित मौखिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा-मोलिक्यूलर तंत्र के उपचार के लिए शक्तिशाली कैंसर-रोधी एजेंट के रूप में गोमूत्र अर्क"* नामक अध्ययन के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। 5. कैप्टन श्रीनिवास मूर्ति केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, चेन्नई ने *"प्रायोगिक चूहों में त्वचा के एपिडर्मल कार्सिनोमा के उपचार में चौलमूगरा तेल और श्वेता सरशापा चूर्ण की कैंसर-रोधी गतिविधि"* पर अध्ययन किया है।

सिद्ध	1. राष्ट्रीय सिद्ध संस्थान, चेन्नई में एक सिद्ध एकीकृत कैंसर देखभाल केंद्र स्थापित किया गया है। संस्थान ने कैंसर संस्थान (डब्ल्यूआईए), अडयार, चेन्नई के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके माध्यम से विभिन्न रोगी-उन्मुख और सहयोगी अनुसंधान गतिविधियां की जाती हैं। 2. सिद्ध नैदानिक अनुसंधान इकाई, श्री वेंकटेश्वर चिकित्सा संस्थान विज्ञान परिसर, तिरुपति, आंध्र प्रदेश में एक एकीकृत सिद्ध कैंसर देखभाल ओपीडी कार्य कर रहा है । केंद्र कैंसर रोगियों के लिए सहायक चिकित्सा के रूप में सिद्ध दवाएं प्रदान करता है और जीवन की गुणवत्ता में सुधार की सुविधा प्रदान करता है। 3. सीसीआरएस ने कैंसर अनुसंधान के लिए एक मूल समिति का गठन किया है जो सिद्ध चिकित्सा पद्धति के माध्यम से कैंसर अनुसंधान से संबंधित सभी प्रीक्लिनिकल और नैदानिक पहलों का नेतृत्व करेगी।
यूनानी	राष्ट्रीय यूनानी चिकित्सा संस्थान, बेंगलुरु ने कैंसर पर 03 इन-हाउस अध्ययन का आयोजन किया है- क. *डाइमिथाइलबेंज [ए] एंथ्रेसीन से प्रेरित चूहों में स्तन कैंसर पर एफ्टीमून का प्रभाव।* *ख. बेंजीन से प्रेरित चूहों में तीव्र माइलॉइड ल्यूकोमिया पर धमासा का प्रभाव।* *ग. तीव्र माइलॉइड ल्यूकेमिया पर मजून मुसाफी खून का प्रभाव।*